Department of Hindi with Katha U.K, Global Hindi Jyoti, California, Hindi Vaishvik Sansthan, Netherlands &Akhil Vishv Hindi Samiti, Canada.

Activity 1:

Department of Hindi is going to conduct International Conference from November 27th 2024 to 3rd December 2024 with its collaborating institutions like Katha U.K, Global Hindi Jyoti, California, Hindi Vaishvik Sansthan, Netherlands and Akhil Vishv Hindi Samiti, Canada. The international conference in going to be organised in Tribhuvan University, Nepal.

संगोष्ठी के आयोजन की परिकल्पना एवं उद्देश्य

भारतीय संस्कृति में राम जननायक के रूप में सर्वत्र पूजे जाते हैं। लोक और शास्त्र के समन्वय से राम का चरित्र हमारे समक्ष विभिन्न रूपों में आता है। हमारी सांस्कृतिक परंपराओं का मूल उत्स राम हैं, रामभक्ति है, रामकथा है। जीवनचर्या के प्रतिनिधि राम और उनकी रामकथा का गायन कर अनेक स्वनामधन्य भक्तों, कवियों, विचारकों, मनीषियों ने अपनी वाणी को पवित्र किया है। भारतीय संस्कृति और जीवन शैली के प्रत्येक गवाक्ष से राम चरित्र का अवलोकन–अभिलेखन और अभिचिन्तन किया गया है। राम को नरोत्तम रूप में दर्शाया जाता है जिसका अर्थ है कि मनुष्य की चैतन्यता उसका सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से विकास करती है। आज के वैश्वीकरण के दौर में जनमानस की जीवन शैली, जीवन मूल्य और जीवन लक्ष्य बदले हैं। लोकमंगल की भावना भी अपने अर्थ गौरव में व्यापकतर होती गई है। राम का व्यक्तित्व भारतीय संस्कृति में धर्म और मानवता की संस्थापना और संरक्षा करता है। लोकपूज्य राम, लोकरंजक राम, लोकाभिराम राम आज एक जन–आंदोलन बन चुके हैं। आज राम और उनके पावन चरित्र को विश्व फलक पर साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सन्दर्भों में अवलोकित किए जाने की आवश्यकता है।

भारत की सीमा से लगा अपने नैसर्गिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध नेपाल भले ही अब एक अलग देश है, लेकिन भारत से इसका सम्बन्ध प्राचीन काल से रहा है। मिथिला नेपाल की तराई का क्षेत्र है जिसका उल्लेख रामायण, महाभारत, पुराण तथा जैन एवं बौद्ध ग्रन्थों में भी मिलता है। नेपाल के ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध शहर जनकपुर में ही सीता माता अवतरित हुई थीं। जनकपुर में विशाल जानकी मंदिर है।

भारत और नेपाल के पुरातन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सम्बन्धों को संपोषित करने के लिए विश्व फलक पर राम (साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सन्दर्भ) विषयक एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन नेपाल देश की राजधानी काठमाण्डू में स्थित त्रिभुवन विश्वविद्यालय में किया जा रहा है, जिसमें देश–विदेश के लब्धप्रतिष्ठ विद्वानों एवं साहित्यकारों की सहभागिता रहेगी। वर्ष 1959 में स्थापित त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल की राजधानी काठमांडू के कीर्तिपुर में स्थित एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय है। यह नेपाल का सबसे पुराना और सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। इससे विभिन्न विषयों में संस्थान के देश भर में 62 घटक परिसर और 1080 से अधिक संबद्ध कॉलेज हैं। इसी प्रकार डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से संबद्ध एवं वर्ष 1956 में स्थापित कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिन्दी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ की अत्यंत समृद्ध चिन्तन परम्परा के अंग प्रो. विश्वनाथ प्रसाद, प्रो. माताप्रसाद गुप्त, प्रो. रामविलास शर्मा, प्रो. विद्यानिवास मिश्र, प्रो. गणपतिचन्द्र गुप्त जैसे स्वनामधन्य विद्वान निदेशक रहे हैं। इस संगोष्ठी के माध्यम से विद्यापीठ अपनी सुदीर्घ चिन्तन परम्परा को सम्पोषित कर गौरवान्वित है। यह संगोष्ठी भी विद्यापीठ की सुदीर्घ साहित्यिक–सांस्कृतिक चिन्तन शृंखला की सार्थक कड़ी सिद्ध होगी।

संगोष्ठी की सम्भावित उपलब्धियाँ

1. राम के विश्वव्यापी स्वरूप पर विचार–विमर्श
2. सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक सन्दर्भों में राम चरित्र और रामकथा का अध्ययन
3. वैश्वीकरण की प्रक्रिया में रामतत्त्व के प्रभावों पर अभिचिन्तन

संगोष्ठी के उप–विषय

- विश्व साहित्य में राम की अवधारणा
- भारतीय साहित्य में रामकथा
- नेपाली साहित्य में राम
- विश्व साहित्य में रामकथा
- रामकथा में व्याप्त वैश्विक मूल्य
- नेपाली आदिकवि भानुभक्त आचार्य का रामायण
- आधुनिक युग के काव्य में राम
- वाल्मीकि के राम
- राम–सीता में प्रचलित लोकगाथा

- जैन एवं बौद्ध साहित्य में राम
- प्रवासी साहित्य में राम
- उत्तर आधुनिक विमर्श और राम
- राम का उदात्त स्वरूप
- रामकथा में प्रबंधन
- तुलसीदास के राम
- लोक साहित्य में राम और रामकथा
- रामकथा में राजनीतिक चेतना
- राम और सामाजिक समरसता
- रामकथा में मानव मूल्य
- राम भक्ति का स्वरूप
- जीवन प्रबंधन में राम और रामकथा
- राम का लोकनायकत्व
- योग और अध्यात्म में राम
- राम कथा में वैज्ञानिकता और तकनीकी
- राम और रामकथा का वैश्विक–सामाजिक परिप्रेक्ष्य
- संस्कृत, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में राम विषयक अवधारणा
- राम राज्य और वर्तमान शासन व्यवस्था
- रामचरितमानस की प्रासंगिकता

इन विषयों के अतिरिक्त शोधार्थी / शिक्षक अपनी विशेषज्ञता के अनुसार अन्य संबंधित उप–विषयों पर भी शोध–पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

आमंत्रित विद्वज्जन (भारत)

• श्री भुजंग बोबड़े, निदेशक, रिसर्च फॉर रिसर्जेन्स फाउंडेशन, नागपुर • प्रो. पूरनचंद टंडन, सेवानिवृत्त वरिष्ठ आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली • प्रो. खेमसिंह डहेरिया (कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल) • प्रो. अश्वनी श्रीवास्तव, पूर्व विजिटिंग प्रोफेसर, वेनिस विश्वविद्यालय, इटली • प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय, अधिष्ठाता, कला संकाय, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर • प्रो. मोहन, सेवानिवृत्त आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली • डॉ. विमलेश कांति वर्मा, पूर्व राजनयिक , फिजी एवं प्रवासी भारतीय साहित्य विशेषज्ञ • प्रो. उमापति दीक्षित, वरिष्ठ आचार्य, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा • डॉ. अनुसुइया अग्रवाल, प्राचार्य, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद, छत्तीसगढ़ • डॉ. निशीथ गौड़, संस्कृत विभाग, डी.ई.आई., आगरा • डॉ. चन्द्रपाल शर्मा, पिलखुआ (मानस मर्मज्ञ) • डॉ. सुशील कोटनाला, प्रदेश प्रमुख, ठाकुर राम सिंह स्मृति शोध संस्थान, उत्तराखंड इकाई • श्री मुकेश जैन, वरिष्ठ समाजसेवी एवं हिंदी प्रेमी, आगरा • प्रो. वी.के. सारस्वत, निदेशक, विवेकानंद इन्क्यूबेशन सेंटर, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय • डॉ. हरिसिंह पाल, महासचिव, नागरी लिपि परिषद, दिल्ली • डॉ. राम निवास मानव, नारनौल

आमंत्रित विद्वज्जन (नेपाल)

1. प्रो. रमेश प्रसाद भट्टराई, वरिष्ठ साहित्यकार एवं समालोचक, नेपाल
2. प्रो. भागवत ढकाल, प्राचार्य, वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू
3. प्रो. वीरेन्द्र प्रसाद मिश्र, वरिष्ठ साहित्यकार, नेपाल
4. प्रो. नारायण गौतम, संस्कृत केन्द्रीय विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू
5. डॉ. कुलराज निरौला, सह–प्रा.नेपाली विभाग, पद्मकन्या बहुमुखी कैंपस, काठमांडू
6. प्रो. राजेन्द्र विमल, साहित्यकार
7. श्री सुदर्शन लाल कर्ण, हिन्दी साहित्यकार, धार्मिक पर्यटन विज्ञ, नेपाल

वैश्विक वक्तागण

1. श्री तेजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ कथाकार एवं संपादक 'पुरवाई', लंदन
2. गोपाल बघेल मधु (वरिष्ठ आध्यात्मिक कवि एवं अध्यक्ष, अखिल विश्व हिन्दी समिति, कनाडा)
3. डॉ. पुष्पिता अवस्थी, नीदरलैंड्स
4. डॉ. तनुजा पदास्थ (व्याख्याता, महात्मा गांधी संस्थान, मोका, मॉरीशस)
5. अतिला कोतलावल, श्रीलंका
6. श्रीमती अनीता कपूर, कथाकार, हाईकुकार एवं समीक्षक, अमेरिका
7. सुधा ओम ढींगरा, वरिष्ठ साहित्यकार, अमेरिका
8. डॉ. लक्ष्मी झमन, वरिष्ठ व्याख्याता, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
9. डॉ. अंजलि चिंतामणि, वरिष्ठ व्याख्याता, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस

शोध पत्र एवं पंजीकरण सम्बन्धी निर्देश

1. प्रतिभागियों द्वारा संगोष्ठी में वाचन हेतु शोध पत्र सारांश एवं प्रकाशन हेतु संपूर्ण शोध पत्र आमंत्रित हैं।
2. चयनित शोध पत्रों की संपादित पुस्तकें I.S.B.N. नंबर के साथ प्रकाशित की जाएँगी।
3. शोध पत्र केवल यूनिकोड (मंगल एवं एरियल) फॉन्ट और वर्ड फाइल में ही स्वीकार किए जाएँगे।
4. शोध पत्र के संबंध में किसी भी प्रकार की जिज्ञासा के समाधान हेतु डॉ. नितिन सेठी (मो. 9027422306) से संपर्क करें।
5. अपने शोध पत्र kmiseminar2024@gmail.com पर प्रेषित करें।
6. ऑनलाइन शोध पत्र वाचन करने वाले प्रतिभागी (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) सुश्री शिवानी चौहान (मो. 7838195100) से संपर्क करें।
7. चयनित शोध पत्रों की सम्पादित पुस्तक प्राप्त करने हेतु पंजीकरण के अलावा पृथक् रूप से 800/– रूपये शुल्क (डाक खर्च सहित) देय होगा।
8. शोध पत्र के अन्त में अपना पूरा नाम, घर/कॉलेज का पता (पिनकोड सहित), मोबाइल नं., ई–मेल अवश्य लिखें। इसके अभाव में यदि शोध पत्र प्रकाशन में कोई असुविधा होती है, तो आयोजकों का उत्तरदायित्व नहीं होगा।
9. शोध–पत्र प्राप्त होने की अन्तिम तिथि 30 जून 2024 है। अंतिम तिथि तक प्राप्त शोध–पत्रों की संपादित पुस्तकों का विमोचन संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में किया जाएगा।
10. पंजीकरण शुल्क : शिक्षकों हेतु रू. 1700/-, शोधार्थियों हेतु रू. 1200/-, अन्य विद्यार्थियों हेतु रू. 700/-, भारत से बाहर के प्रतिभागियों हेतु $100
11. इस संगोष्ठी में भारत की ओर से स्ववित्त पोषित आधार पर एक प्रतिनिधिमंडल त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल जाएगा अर्थात् जो भी प्रतिभागी इस संगोष्ठी में त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में जाकर भौतिक रूप से उपस्थित होकर प्रतिभाग करना चाहते हैं, उन्हें अपना व्यय स्वयं वहन करना होगा।
    इच्छुक प्रतिभागी मुझसे मेरे व्हाट्सएप नम्बर (+91-98373 50986) पर व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते हैं।

संयोजन समिति (भारत)

• डॉ. राजेंद्र दवे • डॉ. केशव कुमार शर्मा • डॉ. प्रदीप कुमार • डॉ. आदित्य प्रकाश • डॉ. राजकुमार • डॉ. नीलम यादव • डॉ. रणजीत भारती • श्रीमती पल्लवी आर्य • डॉ. अमित कुमार सिंह • श्री विशाल शर्मा • डॉ. मोहिनी दयाल • डॉ. संदीप कुमार • डॉ. वर्षा रानी • डॉ. रमा • श्री अनुज गर्ग • श्री कृष्ण कुमार • डॉ. शालिनी श्रीवास्तव • डॉ. संदीप सिंह • डॉ. तपस्या चौहान • श्री अंगद • डॉ. चारू अग्रवाल • कु. शिवानी चौहान • श्रीमती प्रीति यादव • कंचन

• प्रो. शिखा श्रीधर, श्रीमती बी.डी. जैन कन्या महाविद्यालय, आगरा • प्रो. दर्शन पाण्डेय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली • प्रो. पठान रहीम खान, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद • प्रो. हाशम बेग मिर्जा, औरंगाबाद • प्रो. हिमानी सिंह, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा • डॉ. इंदू के. वी., केरल विश्वविद्यालय • डॉ कमलेश कुमारी, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ • डॉ. मधु विनय, चेन्नई • डॉ. नितिन सेठी, बरेली • डॉ. पायल लिल्हारे, मध्य प्रदेश • श्रीमती नूतन अग्रवाल, आगरा

संयोजन समिति (त्रिभुवन विश्वविद्यालय)

• डॉ. श्वेता दीप्ति • डॉ. मंचला झा • डॉ. लक्ष्मी जोशी • मौशमी सिंह • श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा • श्री सुबोध शुक्ल, पद्मकन्या बहुमुखी कैम्पस

SHUBHAM PUBLICATIONS
KANPUR

Publish Your Books With ISBN
SHUBHAM PUBLICATIONS
Library Supplier of Indian and Foreign Books
3A/128, 1st Floor, Hanspuram Kanpur - 208021 U.P. (India)
Mob.: 9415731903, 9452971407